दिनांक 04.04.2011 को श्री कड़िया मुण्डा, माननीय सांसद, खूँटी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र–सह–अध्यक्ष जिला निगरानी एवं अनुश्रवण समिति की अध्यक्षता में सम्पन्न बैठक की कार्यवाही:–

(1) **उपस्थिति –** उपस्थिति पंजी में दर्ज है।

(2) बैठक में सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष द्वारा अपस्थित सदस्यों से परिचय प्राप्त किया गया। उपायुक्त द्वारा प्रारंभ में अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया गया ।

(3) माननीय अध्यक्ष की अनुमति से विगत दिनांक 22.07.2010 को हुई बैठक की कार्यवाही के अनुपालन बिन्दु पर चर्चा करते हुए विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई एवं सम्पुष्ट की गई।

(4) **मनरेगा –** महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2009–10 एवं 10–11 की वित्तीय एवं भौतिक उपलब्धि पर चर्चा की गई। वित्तीय एवं भौतिक उपलब्धि निम्न प्रकार है:–

वित्तीय वर्ष	वित्तीय उपलब्धि		भौतिक उपलब्धि	
	उपलब्ध राशि	खर्च	कुल कार्यान्वित योजना की संख्या	पूर्ण योजना की संख्या
1	2	3	4	5
2009-10	6893.927	5289.013	8649	4986
2010-11	5171.63	4882.657	9255	2283

गत बैठक में उठाये गये मिट्टी मोरम पथ निर्माण के कम्पैक्शन पर चर्चा की गई। बताया गया कि मिट्टी मोरम पथ निर्माण में कम्पैक्शन पथ वेलन द्वारा कराया जा रहा है साथ ही जिस निर्माण स्थल पर पथ वेलन पहुंचने में कठिनाई हो रही है वहां श्रमिकों से कम्पैक्शन का कार्य कराया जा रहा है।

(5) **इन्दिरा आवास योजना –** जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, गुमला द्वारा संचालित इन्दिरा आवास नवनिर्माण एवं उन्नयन की प्रगति की समीक्षा की गई, जो निम्न प्रकार है:–

	वित्तीय वर्ष	भौतिक उपलब्धि		वित्तीय उपलब्धि	
		कार्यान्वित	पूर्ण	उपलब्ध राशि	खर्च
1	2	3	4	5	6
इन्दिरा आवास	2009-10	7111	2473	1501.11	974.021
	2010-11	11385	6434	3821.576	2635.096
नवसृजन	2009-10	7733	763	2130.740	902.103
	2010-11	6980	6249	1154.563	921.103

माननीय अध्यक्ष महोदय ने इन्दिरा आवास योजनाओं को पूर्ण कराने हेतु उपस्थित जन प्रतिनिधियों यथा प्रमुख, माननीय विधायक से अनुरोध किया कि आवास के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

वित्तीय वर्ष 2010–11 में 6747 आवास निर्माण के लक्ष्य के अनुरूप स्वीकृति दी गई है तथा प्रथम किश्त की राशि का भुगतान लाभुकों को किया जा चुका है तथा कुछ मामलों में द्वितीय किश्त का भी भुगतान हुआ है। कार्य प्रगति में है।

(6) <u>पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल –</u> विगत बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल से संबंधित बिन्दु के अनुपालन में 310 अदद विद्यालयों में ड्रील्ड नलकूप निर्माण के लक्ष्य के विरूद्ध 255 सफल एवं 58 असफल ड्रील्ड नलकूप लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

बैठक में माननीय विधायक, श्री कमलेश उराँव के द्वारा यह बात उठायी गई कि निजि चापाकल लगाने पर सफल होता है तथा उसी के आस–पास सरकारी चापाकल गाड़ने पर असफल हो जाता है। यह मामला जाँच का विषय है। इस पर उप विकास आयुक्त, गुमला को निदेश दिया गया कि ऐसे मामलों की जाँच टीम गठित कर कराया जाय एवं फलाफल से समिति को अवगत कराया जाय।

(अनु:– उप विकास आयुक्त, गुमला एवं कार्यपालक अभियन्ता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला)

माननीय सदस्यों के द्वारा बैठक में यह सूचित किया गया कि विभाग द्वारा कई जगहों पर डीप बोरिंग कर छोड़ दिया गया है। इस पर कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला को निदेश दिया गया कि गर्मी के मद्देनजर ऐसे मामलों को एक सप्ताह के अंदर चालू कराना सुनिश्चित करेंगे।

चापाकल की मरम्मति के दौरान कम से कम दो अतिरिक्त पाईप बढ़ाकर मरम्मति कार्य कराने हेतु कार्यपालक अभियन्ता को निदेश दिया गया। प्रत्येक गांव में चापाकल लगाने हेतु पंचायत समिति के सदस्य, मुखिया एवं प्रमुख से सूची समर्पित करने हेतु अनुरोध किया गया।

(अनु0:– कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला)

(7) <u>समाज कल्याण –</u> विगत बैठक में उठाये गये बिन्दुओं का अनुपालन कर लिया गया है। बताया गया कि निर्धारित मात्रा में खिचड़ी खिलाया जाता है। इसकी जाँच महिला पर्यवेक्षिका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी द्वारा समय–समय पर किया जाता है। अनियमितता बरतने वाली सेविका को चयन मुक्त करने की कार्रवाई की जाती है।

बैठक में आंगनबाड़ी केन्द्रों में खिलाई जाने वाली खिचड़ी आदि की जाँच पदाधिकारियों के अतिरिक्त पंचायत स्तर पर चुने हुए माननीय सदस्य यथा प्रमुख,मुखिया,वार्ड सदस्य द्वारा समय समय पर किये जाने का अनुरोध माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा किया गया ताकि खाना की गुणवत्ता अच्छी हो सके ।

(अनु0:– जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, गुमला)

(8) <u>स्वास्थ्य विभाग</u> – विगत बैठक में विद्यालयों में एक्सपायरी दवा के वितरण के संबंध में सिविल सर्जन गुमला से पृच्छा किये जाने पर उन्होंने बताया कि माननीय भूलवश बाद तिथि पर कर गया । इस पर सिविल सर्जन गुमला को निदेश दिया गया कि जिस कर्मी के द्वारा लापरवाही की गई है,उसकी जाँच कर उनकी सेवा पुस्त में कड़ी चेतावनी इन्दराज कर दी जाय ।

(अनु0:– सिविल सर्जन, गुमला)

(9) <u>राष्ट्रीय उच्च पथ</u> – बैठक में कार्यपालक अभियंता एन0एच0 गुमला से बेड़ो से पहले निर्माणाधीन पुल जो विगत पाँच वर्षों से बन रहा है तथा अब भी अधूरा है के पूर्ण करने के संबंध में पृच्छा करने पर उन्होने बताया कि तकनिकी कारणों से निर्माण लंबित है। दो माह में पूर्ण कर जनता को सुपुर्द कर दिया जायेगा तथा नागफेनी पुल के संबंध में उन्हें निदेश दिया गया कि पहुंच पथ का निर्माण कार्य सही तरीके से किया जाय ताकि आवागमन में सहुलियत हो सके ।

(अनु0:– कार्यपालक अभियन्ता, एन0एच0, गुमला)

(10) <u>जलपथ प्रमण्डल</u> – बैठक में कार्यपालक अभियंता जलपथ प्रमण्डल ने बतलाया कि अपर शंख जलाशय योजना का डैम निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका हे वर्तमान में 12.86 मीटर पानी है। इस जल भण्डारण से अपर शंख योजना के दायीं मुख्य नहर में खरीफ सिंचाई हेतु पानी आपूर्ति हो सकेगी। अपर शंख योजना के दायीं मुख्य नहर उसकी वितरण प्रणाली के लिये भूमि अर्जित नहीं होने के कारण वितरण प्रणाली का कार्य नहीं हुआ है। खरीफ सिंचाई अवधि में इस नहर वितरण प्रणाली का निर्माण कार्य नहीं हो सका है । खरीफ सिंचाई अवधि में इस नहर से 12.0 किलोमीटर तक सिंचाई के लिये पानी देने का कार्यक्रम है । माननीय विधायक गुमला विधान सभा क्षेत्र द्वारा ~~आपूर्ति किये गये जल के संबंध में~~ गांवों की सूची की मांग की गई । निदेश दिया कि उन्हें गांव की सूची अविलम्ब उपलब्ध करायें ।

(अनु0:– कार्यपालक अभियन्ता, जलपथ गुमला)

(11) <u>विद्यालय भवन</u> – जिला अभियन्ता, जिला परिषद् गुमला ने बैठक में बतलाया कि उनके द्वारा विभिन्न प्रखण्डों में कुल 22 विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसमें से 9 पूर्ण है तथा 4 में फिनीसिंग का कार्य चल रहा है। 09 विद्यालय भवनों का निर्माण कार्य प्रगति में है। इसपर उन्हें निदेश दिया गया कि अपूर्ण विद्यालय भवनों को बरसात के अन्त तक निर्माण कार्य पूर्ण करा दे एवं पढ़ाई चालू करावें।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सभी प्रमुखों से अनुरोध किया कि विद्यालय भवन एक बड़ी परियोजना है। अतः अपने–अपने प्रखण्ड में निर्माणाधीन विद्यालय भवनों की गुणवत्ता पर सतत् निगरानी रखी जाय।

(अनु0 जिला अभियन्ता, जिला परिषद्, गुमला)

(12) <u>ग्रामीण कार्य प्रमण्डल</u> – कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, गुमला ने बैठक में बतलाया कि वित्तीय वर्ष 2010–11 में 200 किलोमीटर कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य था। जिसमें से 57.50 कि0मी0 का कार्य पूर्ण हुआ है। इसपर माननीय अध्यक्ष महोदय ने कार्यपालक अभियन्ता को चेतावनी देते हुए निदेश दिया कि मात्र 28–29 प्रतिशत् ही उपलब्धि है जो खेदजनक है। जबकि केन्द्र सरकार से राशि विमुक्ति के लिये कम से कम 60 प्रतिशत् उपलब्धि हासिल करना

आवश्यक है। यह कार्य कार्यपालक अभियन्ता की लापरवाही का द्योतक है। फलतः इसकी जीर्णोद्धार पर अपेक्षित प्रगति लाना सुनिश्चित करेंगे।

माननीय विधायक द्वारा चैनपुर के छत्तरपुर–हर्रा पथ के निर्माण कार्य की गुणवत्ता बहुत खराब होने का मामला बैठक में उठाया गया। इसके संबंध में कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, गुमला ने बतलाया कि पथ की गुणवत्ता ठीक कर ली गयी है।

माननीय अध्यक्ष महोदय ने कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, गुमला को निदेश दिया कि पालकोट–कोनबीर पथ काफी जर्जर है एवं आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है। फलतः इसका निर्माण कार्य तत्काल सुनिश्चित कराया जाय।

(अनु0 – कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, गुमला)

(13) <u>मुख्यमंत्री सेतु योजना –</u> बैठक में कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गुमला ने बतलाया कि पुल परियोजनाओं को एकरारनामा के आधार पर कार्य समाप्ति की तिथि के काफी विलम्ब तक पूर्ण नहीं कराये जाने अथवा पुल निर्माण कार्य को आरंभ नहीं किये जाने के कारण संबंधित संवेदक को ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग एवं पंचायत राज एवं एन0आर0ई0पी0 विभाग द्वारा आमंत्रित किसी भी निविदा में भाग नहीं लेने के लिये अयोग्य घोषित किया गया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय के द्वारा कार्यपालक अभियन्ता को पुल के गुणवत्तायुक्त निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति लाने का निदेश दिया गया।

(अनु0 कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, गुमला)

(14) <u>पथ प्रमण्डल –</u> कार्यपालक अभियन्ता, पथ प्रमण्डल, गुमला से मांझाटोली से महुआडांड़ पथ निर्माण कार्य बन्द होने के संबंध में पृच्छा करने पर बताया गया कि संवेदक पर कार्रवाई करने पर कार्य में तेजी आयी है। इस वर्ष सभी योजनाओं का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।

(कार्यपालक अभियन्ता, पथ प्रमण्डल, गुमला)

(15) <u>झालको –</u> अवर क्षेत्रीय प्रबंधक, झालको, गुमला से अपने विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने पर उन्होंने बतलाया कि 80 लाभुकों को कूप निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है एवं योजना का कार्य प्रगति पर है। बैठक में उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने योजनाओं की सूची की मांग की। तदनुसार अवर क्षेत्रीय प्रबंधक, झालको, गुमला को स्वीकृत योजनाओं की सूची माननीय सदस्यों को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

(अनु0 – अवर क्षेत्रीय प्रबंधक, झालको, गुमला)

(16) <u>गव्य विकास –</u> जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गुमला ने बैठक में बतलाया कि 16 कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं जिसमें 450 गाँवों को आच्छादित किया गया है। प्रत्येक प्रखण्ड में कम से कम एक केन्द्र संचालित है। गुमला प्रखण्ड में खरका, घाघरा प्रखण्ड में आदर एवं रायडीह प्रखण्ड में कांसीर में कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र खोले गये हैं।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गुमला को निदेश दिया गया कि कटकाही (चैनपुर) एवं जारी (अल्बर्ट एक्का प्रखण्ड) में भी कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र खोलना सुनिश्चित करें।

(अनु0 – जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गुमला)

(17) **मध्याह्न भोजन योजना** – बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक, गुमला ने बतलाया कि मध्याह्न भोजन के सुरक्षित पकाने एवं खिलाने हेतु सभी सरस्वती वाहिनी की रसोईया एवं संयोजिका को प्रशिक्षित किया गया है कि जिसके परिणामस्वरूप जिले में मध्याह्न भोजन में कीड़े–मकोड़े गिरने की एक भी घटना घटित नहीं हुई है। बच्चों की सुरक्षा हेतु प्रतिदिन विद्यालय के प्रधान शिक्षक/शिक्षक भोजन को पहले स्वयं चखकर ही बच्चों को खिलाते हैं।

बैठक में उपस्थित प्रमुखों को माननीय अध्यक्ष महोदय के द्वारा निदेश दिया गया कि पंचायत के मुखिया को अपने स्तर से निदेशित किया जाय कि मध्याह्न भोजन की जाँच नियमित रूप से स्वयं करेंगे।

(अनुपालन – जिला शिक्षा अधीक्षक, गुमला)

(18) **अन्यान्य** – बैठक में सांसद प्रतिनिधि–सह–भजपा जिलाध्यक्ष ने विद्युत कनेक्शन के मामले को बैठक में उठाया। उनके द्वारा सूचित किया गया कि विभाग के पदाधिकारी द्वारा नाजायज राशि की मांग की जाती है तथा दुर्व्यवहार किया जाता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा विद्युत विभाग के पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि अपने आचरण में सुधार लायें एवं आम जनता से दुर्व्यवहार नहीं करें। साथ ही उन्हें चेतावनी दी गई।

**(अनुपालन – विद्युत कार्यपालक अभियन्ता,
विद्युत आपूर्त्ति प्रमण्डल, गुमला)**

अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के पश्चात् बैठक की कार्यवाही समाप्त की गई।

उपायुक्त–सह–सदस्य सचिव,	अध्यक्ष,
जिला निगरानी एवं अनुश्रवण समिति,	जिला निगरानी एवं अनुश्रवण समिति
गुमला।	गुमला।